M.A. (Pali & Prakrit) (NEP Pattern) Semester-I

NEP-216-3 - Elective - Anupitak Sahitya (Milindphyyo)

P. Pages : 3 **GUG/W/23/15033**

Time : Three Hours * 7 9 5 9 * Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे आवश्यक आहे.
सभी सवालों के जवाब लिखना आवश्यक है।
2. स्विकृत माध्यमातून उत्तरे लिहावीत.
स्वीकृत माध्यम में जवाब लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा. **16**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

अथ खो मिलिन्दो राजा देवमन्तियं एतदवोच- "तेन हि त्वं, देवमन्तिय, भदन्तस्स सन्तिके दूतं पेसेहि" ति। "एवं देवा" ति खो देवमन्तियो आयस्मतो नागसेनस्स सन्तिके दूतं पाहेसि - "राजा, भन्ते, मिलिन्दो आयस्मन्तं दस्सनकामो" ति। आयस्मा पि खो नागसेनो एवमाह- "तेन हि आगच्छतू" ति।

अथ खो मिलिन्दो राजा पञ्चमत्तेहि योनकसतेहि परिवुतो रथवरमारुय्ह महता बलकायेन सद्धिं येन सङखेय्यपरिवेणं येनारस्मा नागसेनो तेनुपसङकमि। तेन खो पन समयेन आयस्मा नागसेनो असीतिया। भिक्खुसहस्सेहि सद्धिं मण्डलमाले निसिन्नो। अद्दसा खो मिलिन्दो राजा आयस्मतो नागसेनस्स परिसं दूरतो व। दिस्वान देवमन्तियं एतदवोच- "कस्सेसा, देवमन्तिया, महती परिसा" ति? "आयस्मतो खो महाराज, नागसेनस्स परिसा" ति।

अथ खो मिलिन्दस्स रञ्ञो आयस्मतो नागसेनस्स परिसं दूरतो व दिस्वा अहुदेव भयं, अहुदेव छम्भितत्तं अहुदेव लोमहंसो।

किंवा / अथवा

अथ खो नागसेनस्स दारकस्स पिता नागसेनं दारकं एतदवोच- "इमस्मिं खो तात नागसेन, ब्राम्हणकुले सिक्खानि सिक्खेय्यासी" ति। "कतमानि, तात इमस्मिं ब्राम्हणकुले सिक्खानि नाम" ति? "ततो खो, तात नागसेन, वेदा सिक्खानि नाम, अवसेसानि सिप्पानि सिप्पं नामा" ति। "तेन हि तात सिक्खिस्सामी" ति।

अथ खो सोणुत्तरो ब्राम्हणो, आचरिय ब्राम्हणस्स आचरियभाग सहस्सं दत्वा अन्तोपासादे एकस्मिं गब्भे एकतो मञ्चकं पञ्ञपेत्वा, आचरियब्राम्हणं एतदवोच- "सज्झापेहि खो त्वं, ब्राम्हणं, इमं दारकं मन्तानी" ति।

"तेन हि तात दारक, उग्गण्हाहि मन्तानी" ति आचरिय ब्राम्हणे सज्झायति नागसेनस्स दारकस्स एकेनेव उद्देसेन तयो वेदा हृदयङगता वाचुग्गता सूपधारिता सुववत्थापिता सुमनसिकता अहेसुं। सकिमेव चक्खुं उदपादि तीसु वेदेसु सनिघण्टु - केटुभेसु साक्खरप्पभेदेसु इतिहासपञ्चमेसु पदको वेय्याकरण लोकायत महापुरिस-लक्खणेसु अनवयो अहोसि।

2. 'मिलिंदप्रश्न' ग्रंथाचे अनुपिटक साहित्यातील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा. **16**
'मिलिन्दपञ्हो' ग्रंथ का अनुपिटक साहित्य में स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

'सब्बञ्ञुभावपञ्हो' चे अंतरंग परिक्षण करुन महत्त्व स्पष्ट करा.
'सब्बञ्ञुभावपञ्हो' का अंतरंग परिक्षण करके महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

3. **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
कोई भी दो सवालों के जवाब लिखिए।

अ) 'उपचिकावग्गो' चे 'मिलिन्दपञ्हो' ग्रंथातील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा.
'उपचिकावग्गो' का मिलिन्दपञ्हो ग्रंथ में स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

ब) 'गद्रभवग्गो' चे 'मिलिन्दपञ्हो' ग्रंथातील स्थान व महत्त्व स्पष्ट करा.
'गद्रभवग्गो' का 'मिलिन्दपञ्हो' ग्रंथ में स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

क) 'पथविवग्गो' चे अंतरंग परिक्षण करून महत्त्व स्पष्ट करा.
'पथविवग्गो' का अंतरंग परिक्षण करके महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

4. खालीलपैकी **कोणत्याही दोन** प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **16**
निम्नलिखित सवालों में से **कोई भी दो** सवालों के जवाब लिखिए।

अ) पशु-पक्षांच्या दृष्टांताद्वारे 'ओपम्मकथापञ्हो' चे मिलिन्दपञ्हो ग्रंथातील महत्त्व स्पष्ट करा.
पशु-पंच्छियों के उदाहरण द्वारा 'ओपम्मकथापञ्हो' का मिलिन्दपञ्हो ग्रंथ में महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

ब) 'सीहवग्गो' चे अंतरंग परिक्षण करुन महत्त्व विशद करा.
'सीहवग्गो' का अंतरंग परिक्षण करके महत्त्व विषद कीजिए।

क) 'मक्कटकवग्गो' चे 'मिलिन्दपञ्हो' ग्रंथातील महत्त्व स्पष्ट करा.
'मक्कटवग्गो' का 'मिलिन्दपञ्हो' ग्रंथ में महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही तीन.** **12**
टिप्पणियाँ लिखिए **कोई भी तीन।**

1) कताधिकारसफलपञ्हो
2) अनन्तकायपञ्हो
3) अनुपिटक साहित्य
4) आयस्मता रोहणेन नागसेनदारकस्स समागतो

ब) बहुपर्यायी प्रश्नांची उत्तरे लिहा. **4**
बहुपर्यायी सवालों के जवाब लिखिए।

1) डुकराचे किती गुण स्थविर नागसेनांनी सांगितले?
स्थविर नागसेन ने सुअर के कितने गुण बताये?
अ) एक/एक ब) दोन/दो
क) तीन/तीन ड) चार/चार

2) स्थविर नागसेन यांनी कोणाच्या प्रश्नांचे समाधान केले?
स्थविर नागसेन ने किसके सवालों का समाधान किया?
अ) राजा मिनॅडर ब) सिकंदर
क) राजा पसेनजित ड) अस्सजित

3) घड्याचे किती गुण भन्ते नागसेनांनी सांगितले?
कुंभ के कितने गुण भन्ते नागसेन ने बताये?
अ) एक/एक ब) दोन/दो
क) तीन/तीन ड) चार/चार

4) मुंगुसाचा कोणता एक गुण स्विकारला पाहिजे?
नेवले का कौनसा एक गुण अपनाना चाहिए?
अ) मैत्रीभावना ब) क्लेषभावना
क) पमादयुक्त भावना ड) उपादान भावना

****